हिन्दी मासिक

# माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 11 • अंक 126 • दिसम्बर - 2015 • • मूल्य : 15/-

कर्मयोगी

## श्री भगवान सिंह परिहार

की अंतिमयात्रा में उमड़ा शहर

# कर्मयोगी श्री भगवान सिंह परिहार के निधन पर आयोजित शोक सभा की झलकियां

स्व. श्री भगवान सिंह परिहार की अन्तिम यात्रा में उमड़ा जनसमूह

श्री अशोक गहलोत शोक संतृप्त परिवार के साथ

शोक सभा में उपस्थित सर्वसमाज के प्रबुद्धवर्ग

लवकुश की शोक संतृप्त बच्चियों के साथ श्री अशोक गहलोत

सैनी वर्ल्ड ईकॉनोमिक फोरम द्वारा आयोजित शोक सभा एवं सुंदर काण्ड पाठ में उपस्थित पदाधिकारीगण एवं समाजबंधु

बांकिया बेरा, मगरा पूंजला में आयोजित शोक सभा में उपस्थित समाजबंधु

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

# माली सैनी सन्देश

● वर्ष :11 ● अंक 126 ● 30 दिसम्बर, 2015 ● मूल्य : 15/- प्रति

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
( अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन )
( अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति )

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

## मारवाड़ रत्न कर्मयोगी 'श्री भगवानसिंह परिहार' का निधन

## नहीं रहे 11सौ अनाथ बच्चों के बाऊजी


- सम्पादकीय
- नहीं रहे 11सौ अनाथ बच्चों के बाऊजी
- महाराजा शूरसैनी ने समाज को एकजुट कर .... : डॉ. पवन सैनी
- सैनी समाज को अब होना होगा शिक्षित व संगठित
- डॉ. पंकज सैनी का भारत सेवा रत्न के लिए चयन
- माली सेवा सदन संस्थान के अध्यक्ष का चुनाव 3 को
- सैनी वर्ल्ड ईकानोमिक फोरम जोधपुर की कार्यकारिणी घोषित
- श्री अचल सिंह भाटी का हुआ आकस्मिक निधन
- पति पत्नी बने आर.जे.एस.
- जुड़वा बहनें बनीं साख्यिंकी अधिकारी
- वार्षिक सम्मलेन तथा भवन लोकार्पण स्मारिका विमोचन के साथ सम्पन्न
- श्रेष्ठ सम्पादन के लिए सांखला बंधु सम्मानित
- कम्बल बांट कर दी सर्दी से राहत
- अभिवन प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान पीपाड़ शहर का वार्षिक उत्सव सम्पन्न
- आलोचक नहीं प्रशंसक बने -श्री प्रभुलाल सैनी
- भाजपा राष्ट्रीय परिषद में सदस्य बने राजेन्द्र गहलोत एवं बनवारीलाल सैनी
- शक्तिपीठ माँ भुवनेश्वरी मन्दिर में प्रवासी भारतीय ने की पूजा अर्चना
- 775 प्रतिभाओं को फुले अवार्ड वेबसाइट का लोकार्पण
- गरीब व जरूरतंद छात्राओं को नि:शुल्क स्वेटर वितरित
- नेत्रहीन जोड़े के जीवन में आई बहार

# सम्पादक की कलम से ...

# सज्जन की परख व्यवहार से होती है

कौन कितना सज्जन है इसका पता तो सम्पर्क एवं व्यवहार से ही लगता है। दूसरों को अपना बनाने के लिए हमारी आत्मीयता के साथ व्यवहार भी अच्छा होना चाहिए। हमारी व्यवहार कुशलता में चापलूसी नहीं अपनाएँ। फूल खिलता है तो उसकी महक अपने आप दूर-दूर तक पहुँच जाती है। इसी तरह व्यक्ति के व्यवहारिक गुणों की उभरती प्रतिभा की पहुँच समाज के पास बिना प्रयास के ही हो जाती है। हम क्या हैं इसका ढिढ़ोरा पीटने की आवश्यकता नहीं है। अच्छे व्यवहार से लोगों में हमारे प्रति अच्छा विश्वास पैदा होता है और जब हमारे सद्गुणों की तरंग फैलती है तो सहयोग मिलने लगता है। सहयोग से जीवन के कई कार्य आसानी से पूरे किए जा सकते हैं। मेरे जीवन का अनुभव यह रहा कि जब सच्चे सहयोगी मिल जाते हैं तो तमाम कठिनाईयाँ दुम दबा कर भाग जाती है। पर स्वार्थ की आड़ लेकर कोई सहयोग करना अथवा लेना तो अच्छी बात नहीं यह सज्जनता नहीं कहलाती। व्यवहार भी चुम्बक का काम करता है। अच्छा व्यवहार करने वाले के पास हम बिना बुलाए चले जाते हैं पर जो कोई दिखावटी व्यवहारी हमें बुलाता है तो हम बहाने बनाकर टाल देते हैं। सज्जनता तो सदा मुंह बोलती है। अत: विश्वास एवं प्रेम की ज्योति धूमिल न पड़े इसके लिए श्रेष्ठ विचार एवं श्रेष्ठ व्यवहार का ही पालन करें। कुविचारों को जलकुम्भी की बिरादारी का समझना चाहिए जो न जाने कहाँ से आ जाते है और हमारे व्यवहार को दुर्जन जैस बना देते हैं। संसार में कुविचारों का कहीं स्वागत नहीं किया जाता। सद्विचारों को सब अपने मन मन्दिर में स्थान देते हैं। तात्पर्य यह है कि अच्छे आदमियों की संगत सबको प्रिय होती है। मैं तो कहता हूँ सज्जन आदमी से बढ़कर श्रेष्ठ इस संसार में और कोई नहीं है। लोक मंगल के कार्य करने वालों से समाज भी परमार्थ की और आगे बढ़ता है। लोगों में भावनात्मक एकता का प्रादुर्भाव होता हैं संतों की मान्यता हे कि व्यवहार के स्तर में जो जितना ऊँचा है, वह उतना ही महान होता है।

स्मरण रखने योग्य बात यह है कि शरीर कितना ही सुन्दर हो, व्यक्ति कितना ही धनवान क्यों नहीं हो, यदि व्यवहार कुशल नहीं है तो उसे समाज की निगाहों में गए-गुजरें स्तर का समझा जाता है। इसके विपरीत व्यक्ति मिलनसार है, उसमें भाईचारा है, ईमानदारी और सज्जन प्रवृत्ति का है तो उसकी सर्वत्र सराहना होती है। यहाँ तक कि अच्छी प्रवृत्ति के इंसान की महिमा के गुणगान मृत्यु उपरान्त भी होते रहते हैं। इसलिए हमारा चिन्तन सर्दव सद्कार्यो की तरफ ही होना चाहिए। आजकल व्यक्ति शरीर के श्रृंगार-सज्जा पर तो ध्यान देते हैं पर मानवीय गुणों की तरफ नहीं। यदि मानवीयता और कर्त्तव्य परायण का महत्व आदमी समझ ले तो अनेक समसयाओं का अन्त हो जाता है। लोग टीका-टिप्पणी तो करते देखे गए है परन्तु स्वयं का आकलन कोई नहीं करता है। लोगों की चाह है कि उन्हें संसार बड़ा महान मानें, उसकी सराहना हो, और किसी न किसी बहाने उसे याद करे पर व्यवहार में जीरों है तो उसकी चाह पूरी नहीं हो सकती। आज तक जो भी महान हुए हैं तो उनके पीछे लोक हित एवं सज्जनता भरे अनेक सत्कार्य जुड़े हुए हैं तथा जनसाधारण की दृष्टि में उनका स्थान ऊँचा और सम्मानजनक रहा। हृदय की विशालता और त्याग की भावना अंगीकार करके हम उत्थान का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। समाज में एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होना, आपत्ति काल में सहायता करना यही तो सज्जनता कहलाती है। इन्हीं गुणों के आधार से वसुधैव कुटुम्बकम् की कल्पना साकार हो सकती हैं।

निष्कर्ष यह है कि सर्व प्रथम तो हमारा अन्तकरण निर्मल एवं पवित्र करें। व्यक्ति और सामाजिक उत्थान का आधार ही यही है। यदि हम असत्य के स्थान पर सत्य को, द्वेषभाव के स्थान पर आत्मीयता को, आलस्य व प्रमाद के स्थान पर कर्मशीलता और सरलता को, भोग के स्थान पर त्याग की भावना अपना ले तो अनेकानेक कुविचारों और कुकर्मो से बच सकते है। सचमुच में हमारे जीवन में कुशल व्यवहार, शान्त स्वभाव आदि ही सज्जनता का परिचय देते हैं। इसीलिए तो कहा गया है कि सज्जनता की परख व्यवहार में निहित है।

**मनीष गहलोत**
**प्रधान सम्पादक**

# मारवाड़ रत्न कर्मयोगी 'श्री भगवानसिंह परिहार' का निधन

## नहीं रहे 11सौ अनाथ बच्चों के बाऊजी

जोधपुर। दो दशक में करीब 11 सौ बच्चों को पुर्नवास के बाद नया जीवन प्रदान करने नवजीवन संस्थान के संस्थापक भगवानसिंह परिहार (86) का सोमवर को निधन हो गया। सेवा के प्रति समर्पित सहज, सरल, सौभ्य स्वभाव के धनी परिहार के निधन की सूचना मिलते ही शहर के समाजसेवियों में शोक की लहर छा गई। वृद्धाश्रम आस्था के संस्थापक परिहार पिछले 15 दिनों से अस्वस्थ थे। उन्हें दो दिन पूर्व ही वहां से कमला नेहरू नगर अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। परिहार के तीन पुत्र एक पुत्री पांच पोते, 2 पोतियों व 2 पड़पौते सहित भरापूरा परिवार है। उनकी अन्तिम यात्रा मंगलवार सुबह नागौरीगेट के बाहर भगतसिंह मार्ग स्थित लक्ष्मी सदन से रवाना होकर रामबाग श्मशान गई। उन्होंने महापौर घनश्याम औझा व उनके बडे भाई समाजसेवी आर.के. औझा को अपना दत्तक पुत्र बनाया था।

भगवान सिंह परिहार उर्फ बाऊजी ने करीब दो दशक पूर्व नवजीवन संस्थान स्थापित किया था। संस्थान में उन बच्चों का लालन पालन होता है जिन्हें माताएं सड़कों के किनारें निर्जन स्थल अथवा समाज की मर्यादा के डर से गंदी नालियों में फैक देती थी। संस्थान ऐसे 11 सौ से अधिक बच्चों के पूर्नवास के माध्यम से नवजीवन प्रदान कर रहा है। परिहार ने अपने प्रयास में संस्थान की 11 बालिकाओं का विवाह भी करवाया। परिहार की ओर से पाल रोड स्थित वृद्धाश्रम आस्था में करीब 70 वृद्धजन है। लायन्स क्लब के माध्यम से 25 हजार लोगों के ऑपरेशन करवाये। उन्हें जोधपुर एसोसियेशन मुम्बई की ओर से समाज रत्न और मेहरानगढ म्यूजिम ट्रस्ट की ओर से वर्ष 2014 में मारवाड रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। श्री परिहार को राज्य स्तर पर भी पुरस्कृत किया गया था।

### पालनहार बाऊजी भगवानसिंह परिहार की शवयात्रा में उमड़े सैकड़ों लोग

# जिन्होंने कंधे पर बिठाकर बड़ा किया, उनको दिया कंधा

जिन बाऊजी के कंधों पर बैठक वे बड़ी हुई आज उन्हीं की पार्थिव देह को कंधा देते समय वे फफक फफक कर रो पडी। शवयात्रा में शामिल हर व्यक्ति की आंखे नम थी। ग्यारह सौ से अधिक अनाथ बच्चों के पालनहार, नवजीवन संस्थान के संस्थापक, भगवानसिंह परिहार की पार्थिव देह मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गई। दलगत राजनीति से दूर समाज सेवा के प्रति समर्पित सहज, सरल, सौम्य स्वभाव के धनी परिहार की अंतिम यात्रा में जनसमूह उमड़ पडा पिछले 15 दिन से अस्वस्थ 86 वर्षीय परिहार का निधन सोमवार देर रात जोधपुर में हुआ था।

### उद्यमी व समाजसेवी भगवानसिंह परिहार को नवजीवन संस्थान की 17 बेटियों ने दिया कंधा

## लव कुश आश्रम में बच्चों से गुड मॉर्निंग से होती दिन की शुरुआत
## वृद्धाश्रम में बुजुर्गो से गुड नाइट के साथ खत्म

जोधपुर। नवजीवन संस्थान के संरक्षक और प्रभारी भगवानसिंह परिहार (86) ने सोमवार को अन्तिम सांस ली। उनकी अन्तिम यात्रा मंगलवार सुबह 10 बजे उनके पैतृक निवास लक्ष्मी सदन 22वी भगतसिंह मार्ग नागौरीगेट के बाहर से रामबाग स्वर्गाश्रम ले जायी गई। जिसमें संस्थान में पली बढी 17 बेटियां भी उन्हें कंधा देगी। परिहार पिछले कुछ दिनों से बीमार थे।

उनके पुत्र राजेन्द्र परिहार के अनुसार वे जब भी बेटियों को अपने माता पिता को कंधा देने की फोटो देखते तो कहते है कि उन्हें तो कंधा देने वाली खूब बेटियां है। उनकी यही इच्छा भी थी। बाउजी के नाम से विख्यात और बीए एलएलबी भगवानसिंह की दिनचर्या ऐसी थी कि वे सुबह जल्दी की हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश आश्रम बच्चों के पास पहुंच जाते और दिन भर वहां बिताते। शाम को पाल रोड पर दिग्विजय नगर स्थित वृद्धाश्रम आ जाते और रात यही बिताते।

### सामाजिक सरोकार ...

लवकुश बाल विकास गृह के माध्यम से अनाथ शिशुओं का पालन पोषण। गायत्री बालिका गृह में बालिकाओं को पढाकर विवाह करवाना। आस्था वृद्धाश्रम में बुजुर्गो का संरक्षण। लॉयंस क्लब के माध्यम से अंधता निवारण में सहयोग। गांधी कुष्ठ निवारण संस्था में सहयोग। पश्चिमी राजस्थान में अकाल के दौरान सहायता। लूणी नदी में आई बाढ के बाद विस्थापतियों का पुर्नवास। नेत्रहीन विकास संस्थान के भवन निर्माण में सहयोग। नशे व पोलियों के खिलाफ अभियान।

### सेवा का सम्मान ....

- 2008 में स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान
- राजस्थान सरकार द्वारा उनकी संस्था को 50 हजार रूपये देकर सम्मानित किया गया
- जोधपुर के पूर्व नरेश गजसिंह द्वारा 1 लाख 8008 रूपये देकर समाजसेवा के क्षेत्र में सम्मान।
- जोधपुर एसोसियेशन मुम्बई द्वारा समाज रत्न अवार्ड। मेहरानगढ़ म्यूजिमयम ट्रस्ट द्वारा 2014 में मारवाड़ रत्न पुरस्कार।
- एमलीयर एसोसियेशन राजस्थान द्वारा श्रेष्ठ नियोजक पुरस्कार।

## खुद जांचते थे बच्चों की कॉपियां

बच्चों को परिहार से इतना लगाव था कि स्कूल से आते ही वे उन्हें घेर लेते। परिहार भी अभिभावक की तरह रोजाना उनसे पढाई के बारे में पूछते और उनकी कॉपियां चैक करते। ये बच्चे मानो परिहार के जेहन मे बसे थे। बाइपास सर्जरी के बाद जब उन्हें होश आया तो सबसे पहले यही कहा कि मुझे बच्चों से बात कराओ।

**स्मृति शेष ....**

## सहृदयता ऐसी की नौकरी करते हुए को पार्टनर बना लिया...

मैं 1958 में मेरे पैतृक गांव गंगाणी से जोधपुर शहर आया था, तब छठी में पढ़ता था वर्ष 1967 में बाऊजी (भगवानसिंह परिहार) से उनके ऑफिस मैनेजर के रूप से जुडा। तब से अब तक उनके साथ रहा हूं। उनकी खूबियों के कई किस्से है। उनके गुण और किस्से और लगातार प्रेरणा देते रहे है और देते रहेंगे।

**सहृदयता :**

मैं 1967 से 17 साल उनके यहां नौकरी करता रहा। एक दिन मुझे बुलाया और बिना किसी भूमिका के पार्टनर बना लिया। मैं नि:शब्द था, उन्होंने बस कंधा थपथपा दिया।

**संवेदनशीलता ....**

वर्ष 1998 में अकाल पडा। भरी सर्दी में सुबह चारा खरीद गांवों में गरीब किसानों के लिए भेज देते। कहते कि पशु बचेंगे तो किसान भी बचा रहेगा।

**स्नेह ...**

बालगृह में पली बढी लड़कियों के लिए वर भी ढूंढे। अब तक 12 की धूमधाम से शादी करवाई। यही नही उनकी गर्भवती होने पर डिलीवरी भी अपने घर पर ही करवाई।

**सादगी ...**

इमरजेंसी के बाद भैरोसिंह शेखावत ने चुनाव लड़ने का आग्रह किया। उन्होंने हाथ जोड़ दिये। उनका कहना था कि सादगी से ही समाजसेवा की जा सकती है।

# और जाने के बाद भी समाज को बदलने का संदेश दे गए बाऊजी

**परिवार ने उनकी भावना के अनुरूप मृत्युपरांत कई प्रथाओं को ना कहा शुरुआत शवयात्रा के पहले रास्ता बुहारने की रस्म से**

जोधपुर। पूरा जीवन अनाथ बेटियों, बच्चों बुजुर्गो व समाज की सेवा में बिताने वाले बाऊजी अपनी अन्तिम विदाई में भी कुरीतियों को छोड़ने का संदेश दे गए। उनकी अन्तिम यात्रा के दौरान भी उनकी इच्छानुसार कुछ अप्रचलित हो रही प्रथाओं को छोड़ने की पहल की गई। उनके पुत्र राजेन्द्र, सुरेन्द्र व चेतन परिहार ने बताया कि बाउजी समाज में योगदान देने के साथ ही कुरीतियों को छोड़ने का भी कहते थे। पुत्रवुध शोभा परिहार का कहना है कि बाउजी के कहे अनुसार मृत्युपरांत भी घर में कोई पाबंदी नहीं रहेगी। जैसा सामान्य जीवन चल रहा है वैसा ही चलेगा। माली संस्थान के अध्यक्ष देवीचन्द देवडा ने कहा कि बाऊजी समाज की बडी हस्ती थे। उनके परिवार की पहले से प्रेरणा लेकर अन्य लोग भी कुरीतियों को समाप्त करने आगे आयेंगे।

### 1. पंथु बुहारी की जगह पुष्पवर्षा की घर की महिलाओं ने

श्मशान के लिए शवयात्रा की रवानगी के समय घर की महिलाएं ओढने से पथ को साफ करती है। बाऊजी का मानना था कि इससे महिलाएं असहज होती है। इसकी बजाय घर की महिलाओं ने हाथों में पुष्प बरसाये।

### 2. सगों को भोजन लाने से रोका

घर में मौत पर सगे संबंधियों के घर से खाना आता है। बाऊजी का कहना था कि ये परम्परा बंद होनी चाहिए। उनकी इच्छा के अनुरूप खाना मंगवाने की इस प्रथा को भी खत्म किया गया।

### 3. न चूडिया टूटेगी न सफेद ओढना

समाज का यह भी प्रथा है कि जिस महिला के पति का देहांत होता है, उठावने के दिन उसके पीहर वाले आते है उसे सफेद ओढना ओढाते है और उसकी चूडिया उतारते है। बाऊजी के बेटों ने अपने ननिहाल वालों को इस परम्परा के लिए भी मना कर दिया।

### 4. सिर्फ गंगाजल, प्रसादी नहीं

समाज में गंगाप्रसादी के नाम पर बडा खाना होता है। बाऊजी का कहना था कि समाज में अब भी लोग के अवसर पर पैसा खर्चकर खाना कहते है। ये गलत परम्परा है। अब उनके बेटे गंगाप्रसादी का आयोजन नहीं करेंगे।

### 5. रोते बिलखते श्रद्धांजलि नहीं

तीसरे के उठावने के बाद ससुराल वाले मिलने के लिए आते है तो रूलाई की रस्म निभाई जाती है इसमें ससुराल पक्ष की महिलाएं व पुरूष जोर जोर से रोते हुए आते है इसके लिए भी मना करवा दिया गया था।

### उद्यमी व समाजसेवी भगवानसिंह परिवार के अंतिम दर्शन करने पहुंचे कई गणमान्य लोग

# बाऊजी के लिए ऐसी फूटी बेटियों की रुलाई कि हर शख्स की आंख भर

1. अंतिम सफर के साक्षी

2. शोकमग्न स्नेहाकांक्षी

जोधपुर। शहर के जाने-माने सामाजसेवी और उद्यमी 'मारवाड़ रत्न' भगवानसिंह परिहार 'बाऊजी' के अंतिम दर्शन करने शहर के गणमान्य लोग पहुंचे। मंगलवार को उनके निवास स्थान से जब उनकी अंतिम यात्रा रवाना हुई तो लव-कुख आश्रम और गायत्री बालिका गृह में रह रहीं बेटियों की रूलाई फूट पड़ी। वे बाऊजी गृह में रह रहीं बेटियों की रूलाई फूट पड़ी। वे बाऊजी के लिए इस कदर रोई कि वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखे भर आई। बाऊजी के परिजनों ने उनकी इच्छा के अनुसार बंटियों से भी कंधा दिलवाया। शवयात्रा रामबाग स्थित श्मसान पहुंची। वहां उनके बेटे राजेंद्र, सुरेंद्र व चेतन ने मुखाग्नि दी। इस दौरान एक महिला अचानक वहां पहुंची ओर उसने परिहार की चिता में घी की आहुति दी। इस अवसर पर महापौर धनश्याम ओझा, पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच, जेडीए के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्रसिंह सोलंकी, जेआईए के पूर्व अध्यक्ष विमलराज सिंघवी, हैंडीक्राफ्ट एक्सापोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल भंडारी, गौतम कोठारी, एसएन भार्गव, अशोक संचेती, अरूण अग्रवाल, एमआईए के पूर्व अध्यक्ष सुनील परिहार, एसके शर्मा, उमेश लीला, महावीर बागरेचा, हस्तीमल सारस्वत, अशोक छंगाणी, महेंद्र लोढ़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी, रमेश बोराणा, कैलाश भंसाली, सुपारस भंडारी, पूर्व विधायक जुगल काबरा, जेएनवीयू के पूर्व कुलपति प्रो. बीएस राजपुरोहित, प्रसन्नचंद मेहता, पीसीसी सचिव अनिल टाटिया, सागर जोशी, पवन लोहिया, धनश्याम मूथा, महेंद्र मेघवाल, श्रीपाल लोढ़ा, जसराज बोथरा, सुरेश मूथा, शिवनारायण कच्छवाह, छात्र नेता भूपेंद्रसिंह सांकड़ा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। विहिप व बजरंग दल ने शोक जतायां

## बालगृह से ससुराल गई बेटियां भी पहुंची, आस्था से जुड़े बुजुर्ग भी आए

परिहार का देहांत सोमवार रात हो गया था। उनके निधान की खबर मिलते ही उनके घर लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया। महापौर धनश्याम ओझा भीलवाड़ा में थे, वे भी वहां से रवाना होकर तत्काल जोधपुर पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी परिवार से फोन पर बात कर शोक व्यक्त किया। मंगलवार सुबह से ही लोग महामंदिर के निकट स्थित उनके निवास स्थान पर पहुंचना शुरू हो गए थे। करीब साढ़े दस बजे शवयात्रा रवाना हुई। नवजीवन संस्थान के लवकुश बालगृह की अनाथ बेटियों व वृद्धाश्रम आस्था से जुड़े बुजुर्गो के साथ वे बेटियों भी पहुंची, जिनकी बाऊजी ने शादी करवा दी थी।

### 21वां महाराजा शूरसैनी जयंती समारोह का हुआ आयोजन

# महाराजा शूरसैनी ने समाज को एकजुट कर सामाजिक बुराइयों का दूर करने का प्रयास किया: डॉ. पवन सैनी

यमुनानगर। महाराज शूरसैनी ने समाज से बुराईयों के खिलाफ सभी वर्गो को एकजुट करके समाज सुधार की दिशा मे अनुकरणीय कार्य किया है। महाराजा शूरसैनी के जीवन व आदर्शो पर चलते हुए उनकी शिक्षाओं को हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए। महाराजा शूर सैनी ने समाज को एकजुट कर सामाजिक बुराईयों को दूर करने प्रयास किया।

सैनी समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है, जिसके दिशा-निर्देशक महाराजा शूरसैनी रहे हैं। ऐसे व्यक्ति किसी वर्ग विशेश के लिए नहीं, अपितु समस्त राष्ट्र की धरोहर होते हैं। यह कहना था लाडवा के विधायक डॉ. पवन सैनी का। वें कृष्णा रिसोंट में राष्ट्रीय सैनी पंचायत द्वारा 21वां महाराज शूरसैनी जयंती समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने में सैनी समाज ने अहम भूमिका निभाई है। सम्मेलन में सैनी समाज के अव्वल आने वाले बच्चों को सम्मानित किया। इसके साथ ही जरूरतमंद परिवारों व एमबीबीएस कर रहे बच्चों को पुरसकार देकर सम्मानित किया गया। डॉ. दिनेश सैनी ने कहा कि हमें मृत्यु भोज, भूरण हत्या, दहेज विवाह जैसी कार्यो पर रोक लगानी होगी। और यह तभी संभव हो सकता है जब हम जागरूक होगे। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षित करना चाहिए ताकि एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश सैनी ने कहा कि हमें अपनी संख्या के अनुपात में राजनीति में आना चाहिए। हमारे समाज की संख्या पूरे प्रदेश में लगभग 10 प्रतिशत है। चैयरमेंन सैनी जगदीश राय कटारिया ने कहा कि जिला में सैनी भवन बनाने के लिए जमीन को खरीद लिया गया है। जिसे बनवाने का कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष मंगताराम सैनी ने कहा कि जोतिराव गोविंदराव फुले का जन्म 11 अप्रेल 1827 को हुआ था। उनकी मृत्यु 28 नवंबर 1890 को हुई थी। ज्योतिबा फुले के नाम से प्रचालित 19वीं सदी के एक महान भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रांतिकारी कार्यकर्ता थे। सितम्बर 1873 में इन्होंने महाराष्ट्र में सत्य शोधक समाज नामक संस्था का गठन किया। महिलाओं व दलितों के उत्थान के लिए इन्होंने अनेक कार्य किए। समाज के सभी वर्गो को शिक्षा प्रदान करने के ये प्रबल समर्थक थे। महात्मा ज्योतिबा का परिवार कई पीढ़ी पहले सतारा से पुणे फूलों के गजरे बनाने का काम करने लगा था। इसलिए माली के काम में लगे ये लोग फूले के नाम से जाने जाते थे। इनका विवाह 1840 में सावित्री बाई से हुआ, जो बाद में स्वयं एक मशहूर समाजसेवी बनी। दलित व स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में दोनों पति-पत्नी ने मिलकर काम किया। मौके पर रामसिंह सैनी, रणधीर सैनी, रामभज सैनी, प्रेमसिंह सैनी, मंगतराम सैनी, नरेन्द्र कुमार सैनी, बालकृष्ण सैनी, रमेश सैनी, गुलाबसिंह सैनी, तेजपाल, हरकेश सैनी, नरेश सैनी, शिवकुमार, कुलदीप सैनी, रोशन लाल सेनी, कंवरलाल सैनी, एडवोकेट प्रीतम सैनी, बंसीलाल सैनी, तरूण कुमार सैनी, राजपाल सैनी, तेजपाल सैनी, जयसिंह सैनी व टीकम पाल सैनी इत्यादि मौजूद रहे।

विधायक ने सैनी भवन के लिए दिए पांच लाख रूपये, कहा-पैसे की नहीं रहेगी कोई कमी

# सैनी समाज को अब होना होगा शिक्षित व संगठित

**बच्चों को किया सम्मानित :**

समारोह के दौरान मुख्यातिथि डॉ. पवन ने 10वीं व 12वीं में 80 प्रतिशत अंक लेने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को मेहनत व लग्न से पढ़ना चाहिए। नशे व अन्य व्यसनों से दूर रहकर देश सेवा के लिए समार्पित रहना चाहिए। इसके अलावा इस मौके पर गरीब समाज के बच्चों को गर्म वस्त्र भी वितरित किए गए।

**राजनीति में आगे आए :**

समारोह की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राजेश सैनी व समाजसेवी डॉ. दिनेश सैनी ने कहा कि हमें अपनी संख्या के अनुपात में राजनीति में आना चाहिए। हमारे समाज की संख्या पूरे हरियाणा में करीब 10 प्रतिशत है। हमारे समाज से 10 विधायक बनने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें मृत्यु भोज, भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, बाल विवाह पर भी रोक लगानी चाहिए।

**जल्द शुरू होगा भवन :**

प्रदेश उपाध्यक्ष मंगता राम सैनी व चेयरमैन जगदीशराय कटारिया ने कहा कि यमुनानगर में सैनी भवन बनाने के लिए जमीन खरीद ली गई है। जल्दी ही भवन निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। इस मौके पर जिला प्रधान जोगेंद्रसिंह सैनी, नरेन्द्रकुमार सैनी, बाल कृष्ण सैनी, रमेशकुमार सैनी, सीमर कुमार सैनी, ओमप्रकाश शाक्या, सिंह राम सैनी आदि मौजूद थे।

# डॉ. पंकज सैनी का भारत सेवा रत्न के लिए चयन

पर्यावरण विज्ञान विभाग देव संस्कृति विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पंकज सैनी को ग्लोबल इकोनोमिक प्रोगेस एण्ड रिसर्च एसोसिएशन, तमिलनाडु ने भारतसेवा रत्न गोल्ड मेडल पुरस्कार के लिए चयनित किया है। डॉ. सैनी को यह पुरस्कार उनके शोध कार्य के लिए दिया जा रहा है।

डॉ. सैनी भारत सरकार के साइंस एण्ड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड, डीएसटी, नई दिल्ली में युवा वैज्ञानिक के रूप में शोध कर रहे है। उनका शोध क्षेत्र ओद्योगीकरण का पर्यावरण व मानव पर प्रभव है। हरिद्वार में मानव स्वास्थ्य और मलेरिया के निवारण के लिए भी शोध कर रहे हैं। उनके शोध कार्यो की रिपोर्ट कई अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है। कई विश्वविद्यालयों में भी उनके शोधपत्र पढ़े जा चुके हैं। उन्हें इंडियन अकादमी ऑफ एवरोमेंटल साइंस की ओर से राष्ट्रीय फेलोशिप भी मिल चुकी है। देसविवि के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या और प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।

हम सभी डॉ. पंकज सैनी की सफलता पर उनको हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते है।

# माली सेवा सदन संस्थान के अध्यक्ष का चुनाव 3 को

पुष्कर। अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन संस्थान पुष्कर के अध्यक्ष पद के लिए आगामी 3 जनवरी को चुनाव होंगे। इस संबंध में रविवार को संस्थान के मौजूदा अध्यक्ष ऊंकारराम कच्छावाह की अध्यक्षता में सेवा सदन भवन में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विधिक प्रक्रिया के तहत आगामी तीन वर्ष के लिए अध्यक्ष पद के चुनाव कराने का निर्णय किया गया। निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव कमेटी का गठन किया गया।

ताराचंद गहलोत पुष्कर को मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक, मुकेश कुमार अजमेरा व जितेंद्रा मारोठिया अजमेर को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। अध्यक्ष कच्छवाह ने बताया कि तय कार्यक्रम के मुताबिक 2 जनवरी को अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे तथा 3 जनवरी को एक से अधिक दावेदार होने की स्थिति में मतदान होगा। चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। सदस्यता शुल्क जमा कराने वाले सदस्य ही 25 दिसम्बर तक मतदान में शामिल हो सकेंगे।

### सैनी वर्ल्ड ईकानोमिक फोरम जोधपुर की कार्यकारिणी घोषित

# नरपत सांखला अध्यक्ष एवं महेन्द्र तंवर बने मंत्री

**राष्ट्रीय संयोजक सुभाष सैनी, नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरपत सांखला एवं मंत्री महेन्द्र तंवर का स्वागत**

जोधपुर। सैनी वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्यकारिणी का विस्तार किया जा रहा है। विस्तार की इसी कड़ी में जोधपुर के अध्यक्ष पद पर कांट्रेक्टर नरपतसिंह सांखला की नियुक्ति हुई।

संस्थान के प्रदेश मिडिया प्रभारी मनीष गहलोत ने बताया कि जोधपुर में समाज के प्रबुद्ध वर्गो की मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के अन्य पदों पर भी सर्वसम्मति से नियुक्तियां की गई। संस्थान के मार्गदर्शन मण्डल में प्रोफेसर डॉ. हुकमसिंह गहलोत, शिक्षाविद संपतसिंह कच्छवाह, सेवानिवृत रणजीतसिंह परिहार, रामचन्द्र भाटी तथा उगमसिंह गहलोत की नियुक्ति हुई। संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मुकेश सांखला, गुरूदत्त सोलंकी, संपतराम देवडा, विरेन्द्र सिंह गहलोत की नियुक्ति की गई। संस्थान के मंत्री पद पर एडवोकेट महेन्द्र तंवर तथा सहमंत्री के पद पर सुश्री दिव्या गहलोत, संदीप सांखला, लक्ष्मणराम टाक, जगदीश देवडा, कोषाध्यक्ष पद पर सी.ए. बलवीरसिंह गहलोत। प्रचार मंत्री के पद पर दीपक देवड़ा एव नरेश देवड़ा।

नरेन्द्र सोलंकी, प्रदीप परिहार, पंकज गहलोत, कानाराम सांखला, विनोद कच्छवाहा, गोपाल सांखला, अरविन्द परिहार, जितेन्द्र कच्छवाहा, समुन्द्रसिंह परिहार, राजेन्द्र गहलोत की नियुक्ति कार्यकारिणी सदस्य के रूप में की गई है।

इस अवसर पर नव नियुक्त सचिव एडवोकेट महेन्द्र तंवर ने बताया कि सम्पूर्ण विश्व में हमारी जनसंख्या करीब 17 करोड है। भारत के विभिन्न प्रांतों में हमारी अलग अलग पहचान है आज हमारे समाज को आगे बढ़ने के लिए अकेले चलने की बजाय समूह में चलने की आवश्यकता है। हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य विश्वभर में फैले समाज के 17 करोड लोगों को एक मंच पर लाकर एकता की मिसाल कायम करनी है। साथ ही समाज सुधार हेतु शिक्षा एवं विशेषकर तकनीकी शिक्षा के लिए शिक्षित युवाओं को ट्रेनिंग देने के साथ ही रोजगार उपलब्ध करवाना है।

इस अवसर पर संस्थान के नव नियुक्त अध्यक्ष नरपतसिंह सांखला ने कहा कि संस्था का मुख्य कार्य समाज के सभी लोगों को शिक्षा, खेल, कृषि, व्यापार, राजनीति एवं अन्य क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य करना है। हमें इन सभी क्षेत्रों में समाज की अन्य संस्थाओं के सहयोग से समाज के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर कार्य करना होगा।

इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए कार्य करने की बात कही। संस्था द्वारा वर्षभर के लिए कार्ययोजना का मूर्तरूप दिया गया।

समस्त कार्यकारिणी ने समाज के कर्मयोगी तथा समाज रत्न श्री भगवानसिंह परिहार के निधन पर समाज ही नहीं वरन् जोधपुर को हुई अर्पूरणीय क्षति पर श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए भगवानसिंह परिहार के कार्यो को आगे बढ़ने तथा उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का प्रण लिया।

राष्ट्रीय संयोजक सुभाष सैनी का स्वागत करते नरेन्द्र सोलंकी

राष्ट्रीय संयोजक सुभाष सैनी लवकुश संस्थान के बारे में राजेन्द्र सिंह परिहार से जानकारी लेते हुए

### समाज के ज्ञानकोष एवं राजनैतिक जागृति के सूत्रधार

# श्री अचल सिंह भाटी का हुआ आकस्मिक निधन

जोधपुर। माली समाज के ज्ञानकोष वयोवद्व श्री अचलसिंह भाटी अब हमारे बीच नहीं रहे। समाज को मार्गदर्शन देने वाले अचल सिंह भाटी ने बीकानेर में 21 दिसम्बर, 2015 को ली अंतिम सांस। उनके निधन से परिवार ही नहीं वरन् समाज ने भी खोया एक सामाजिक राजनैतिक एवं इतिहासकार।

समाज की सभी प्रमुख संस्थाओं एवं सामाजिक राजनैतिक वर्ग के पदाधिकारियों ने श्री भाटी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि समाज ने हमारा मार्गदर्शक खो दिया है। श्री अचल सिंह भाटी समय समय पर समाज के लोगों के बीच संपूर्ण भारत में भ्रमण कर सामाजिक आर्थिक राजनैतिक जानकारियों का संकलन करने के साथ ही समाज को मजबूत करने के लिए हर समय कार्यरत रहते थे।

आपके परिवार में एक पुत्र व चार पुत्रियों के साथ भरापूरा परिवार था। हम सभी परम पिता परमेश्वर से श्री अचल सिंह भाटी की आत्मा की शांति की प्रार्थना करते है तथा इस दुख की घड़ी में हम सभी उनके परिवार के साथ है।

**जीवन परिचय :** श्री अचल सिंह भाटी का जन्म 1 जनवरी 1937 को हुआ था। आपने बी.एस.सी., एल.एल.बी., डी.सी.एल.एल. तक की शिक्षा जोधपुर में प्राप्त की थी। विद्यार्थी जीवन से ही आपकी रूचि खेलकूद, वाद-विवाद, प्रतियोगिता, स्काउटिंग और आर्यसमाज में रही तथा आपने पिछड़े व शोषित समाज को जागृत व संगठित करने में ही अपना समय लगाया। छात्रजीवन से ही आपने समाज की बैठकों, सम्मेलनों में भाग लेना शुरू किया तथा उनको प्रजातांत्रिक व स्वंतत्रता के विचार दिये। आप 3 साल तक राजकीय हाई स्कूल के विज्ञान के अध्यापक रहें, लेकिन बाद मेंसन् 1964 से 1997 तक भारत की सुप्रसिद्व कंपनी सिपला में फिल्ड ऑफिसर के रूप में राजस्थान प्रदेश में कार्य किया। आप अखिल भारतीय माली सैनी व कुशवाहा महासभा के उपाध्यक्ष पद पर रहे तथा वर्तमान में उसकी कार्यकारिणी सदस्य थे। आप राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के संस्थापक सदस्य थे। इसी संस्था में आपने संगठनमंत्री, मंत्री पद पर कई वर्षो तक कार्य किया व अभी तक वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कार्य कर रहे थे।

आप जोधपुर में समाज की विभिन्न संस्थाओं के विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके थे। आप माली सैनी शिक्षा प्रचार संघ के 7वर्ष तक अध्यक्ष पद पर रहे। आपने समाज में चेतना, शैक्षिक संगठन व सामाजिक कुरीतितयों को दूर करने तथा सामूहिक कुरीतियों को दूर करने तथा सामूहिक विवाह कराने में पूर्ण योगदान किया था। आपने समय समय पर लेख, पत्र, बुलेटिन व राजस्थन का माली सैनी समाज पर एक पुस्तक का प्रकाशन करवा समाज में जागृति लाने का प्रयास किया।

आपने संपूर्ण राजस्थान के गांवों, पंचायतों, शहरों में माली समाज के कितने घर है तथा कितने मतदाता है व कौन समाज के प्रमुख व्यक्ति है इसकी पूर्ण जानकारी ली तथा समाज का जहाँ उचित बाहुल्य हैं वहां समा के लोगों को संदेश भेजकर व संगठित कर समाज के ज्यादा से ज्यादा सरपंचों व पार्षदों को जिताने व उच्च पद प्राप्त करने की प्रेरणा दी।आपने वर्ष 1975 से कार्य करते हुए मंडल आयोग को अपनी रिपोर्ट भेजी थी 140 जातियों को संगठित करके आपने उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया था। आपने मण्डल कमीशन के साथ संपूर्ण राजस्थान प्रदेश में भ्रमण किया व भारत के कई प्रांतों का दौरा करके माली सैनी समाज को पिछड़े वर्ग में सम्मलित करवाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आपकी राजनीति में कोई रूचि नहीं थी। न ही आप किसी पार्टी के सदस्य थे परंतु आपने आजीवन सदियों से शोषित पिछड़ी जातियों के साथ सामाजिक न्याय के लिए सभी को प्रेरित कर उनकों अधिकारों को प्राप्त करने हेतु जागरूक किया।

## स्व. श्री अचल सिंह जी भाटी के साथ कार्य करते प्रेरक प्रसंग

मुझे भी स्व. श्री अचल सिंह जी भाटी के साथ माली समाज के परिचायात्मक ग्रंथ माली सैनी दर्पण में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। श्री अचल सिंह भाटी ने इस ग्रंथ के लिए लगभग संपूर्ण भारत से समाज के लोगों का संकलन कर समाज को एक सूत्र में परौने का कार्य किया था। इस ग्रंथ के प्रकाशन में संपूर्ण कार्य माली सैनी संदेश पत्रिका कार्यालय में हुआ तथा उसके लिए श्री भाटी जी ने अपनी संपादकीय लेख में उल्लेख भी किया।

लेकिन इस ग्रंथ के प्रकाशक माली संस्थान के तब रहे अध्यक्ष श्री सुनील परिहार ने कटुता से इस ग्रंथ के पृष्ठ 647 में प्रकाशित दान-दाताओं की सूचि के साथ मेरे परिचय के पृष्ठ को प्रकाशन के बाद में फड़वा दिया था जिसका विशेष सूचि में भी उल्लेख है। मुझे ज्ञात होने पर मैनें श्री अचल सिंह जी भाटी जी से इसकी शिकायत की तथा इस पर विरोध दर्ज करवाने का कहा तब श्री भाटी जी ने मुझे समझाया था कि मनीष तुम्हारे द्वारा किये गये कार्य व सहयोग का उल्लेख मैनें अपने संपादकीय लेख में कर दिया है तथा श्री सुनील परिहार ने जो किया है उसके कारण तुम इस ग्रंथ के प्रकाशन में किसी प्रकार की बाधा डाल समाज का ही नुकसान करोगे यह ग्रंथ हमारी मेहनत है तथा इसका महत्व समाज के सभी वर्गो के लिए है इसलिए तुम ऐसा कोई कार्य नहीं करोगें जिससे समाज में किसी प्रकार का गलत संदेश जाए। श्री भाटी जी ने इसके साथ ही कहा कि तुम्हारी कलम से तुम माली सैनी संदेश के माध्यम से समाज के समाचारों एवं सामाजिक जागृति का कार्य करते रहो। तुम्हें आज नहीं तो कल सफलता अवश्य मिलेगी।

**'सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं'** उनके यह वाक्य आज भी मेरे कानों में गुजतें है तथा पिछले 11 वर्षो से विषम से विषम परिस्थितियों में भी हमने माली सैनी संदेश का प्रकाशन किया साथ ही समाज के कतिपय समाजसेवी के समाज विरोधी कार्यो का उल्लेख पत्रिका में किया। समाज के सभी वर्गो ने हमारी सत्यता पर मोहर लगाई। माली सैनी संदेश पत्रिका भविष्य में भी समाज को कमजोर करने वाले तत्वों के कारनामों का भांडाफोड़ करता रहेगा, यही हमारी श्री अचलसिंह भाटी का सच्ची श्रृद्वाजंलि होगी।

### कविता कच्छवाह ने प्रदेश में किया चौथा स्थान प्राप्त

# गरीब वंचित तबके की सेवा करने बनी आरजेएस : कविता कच्छवाह

जोधपुर। माली सैनी समाज की होनहार लाडली ने किया समाज को किया गौरवान्वित। कविता के चयन से संपूर्ण समाज में हर्ष की लहर समाज के प्रबुद्वजनों ने कविता को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ से वर्ष 2013 में विधि स्नातक करने वाली जोधपुर की कविता कच्छवाह ने प्रदेशभर में चौथा स्थान प्राप्त किया। कविता ने कुल 335 में से 195 अंक अर्जित किये। जोधपुर के सेंट पैट्रिक स्कूल से शिक्षा प्राप्त करने के बाद कविता ने एनएलयू लखनऊ से विधि स्नातक और फिर राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से विधि स्नातकोतर की पढाई की। इस दौरान कविता ने सुप्रीम कोर्ट ऑफ इण्डिया के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पी सदाशिवम के सानिध्य में 10 महिने तक ज्यूडिशियल रिसर्च असिस्टेंट का भी अनुभव किया। कविता की एक बहन और भाई भी कानून की पढाई कर रहे है। कविता ने दिल्ली से दूरभाष पर खास बातचीत में कहा कि कानून की पढाई के माध्यम से गरीब और वंचित तबके की सेवा करने के उद्देश्य से उन्होंने न्यायिक सेवा का रास्ता चुना। एनएलयू में पढाई के बाद उनके सामने कॉरपोरेट जगत में जाने के कई अवसर थे लेकिन उन्होंने न्यायिक सेवा को ही प्राथमिकता दी और पहले प्रयास में ही उनका चयन हो गया।

---

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की ओर से सिविल न्यायाधीश संवर्ग के 105 पदों के लिए आयोजित सीधी भर्ती परीक्षा, 2015 का अन्तिम परिणाम संशोधित हो गया है। गुरूवार देर रात घोषित नतीजों में साक्षात्कार में अनुतीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को भी सफल घोषित कर दिया गया था। लेकिन शुक्रवार को उक्त त्रुटि की जानकारी मिलने पर हाईकोर्ट प्रशासन ने शुक्रवार शाम को संशोधित परिणाम जारी कर दिया। जिसमें साक्षात्कार में अनुतीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को असफल घोषित करते हुए वरीयता सूची से बाहर कर दिया। उनके स्थान पर प्रतीक्षा सूची से तीन अभ्यर्थियों को वरीयता सूची में शामिल होने से कट ऑफ सूची भी प्रभावित हुई है। अब सामान्य वर्ग की वरीयता सूची 175, अन्य पिछडा वर्ग 164, अनुसूचित जाति 144 व अनुसूचित जनजाति की वरीयता सूची 141 अंक रही है। संशोधित परिणाम उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

---

## पति पत्नी बने आर.जे.एस.

चुरू। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से आयोजित राजस्थान न्यायिक सेवा भर्ती परीक्षा में जिले के अनेक होनहार का चयन हुआ है। इसमें चुरू के नयाबास निवासी दिलीप कुमार सैनी व उनकी पत्नी श्रीमती बबीता सैनी का एक साथ चयन हुआ है। बबीता ने 19वीं व दिलीप ने 80वीं रैंक प्राप्त की है। दिलीप कुमार सैनी ने 2005 में राजकीय विधि कॉलेज चुरू से एलएलबी, 2012 में एलएलएम व नेट उत्तीर्ण की। 2015 में संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित एपीपी परीक्षा में चयनित हुए लेकिन अभी नियुक्ति नही हुई। कुछ महीने पहले ही जूनियर लॉ अधिकारी पद पर भी चयन हुआ लेकिन अभी नियुक्ति नहीं मिली। बबीता ने 2004 में बीएड, 2007 में एलएलबी, 2012 में एलएलएम व नेट परीक्षा पास की। आरपीएससी द्वारा 2013 में आयोजित एपीपी परीक्षा में चयनित हुई। वर्तमान में बनीपार्क कोर्ट में एपीपी के पद पर कार्यरत है। दिलीप व बबीता ने सफलता के श्रैय विधि कॉलेज के प्रिसिंपल डॉ. श्रवण सैनी व अपने अधिवक्ता संतोष सैनी को दिया। दिलीप सैनी चुरू बार संघ में वरिष्ठ अधिवक्ता है उन्होंने कहा कि यह दिन उनके लिए सबसे बड़ी खुशी का दिन है।

## जुड़वा बहनें बनीं साख्यिंकी अधिकारी

चिडावा। खेतड़ी रोड स्थित मावंडिया की ढाणी निवासी जुडवा बहनें अनिशा और अंजलि सैनी एक साथ साख्यिकी अधिकारी बनी है। उन्होंने राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन की इस भर्ती परिक्षा के महिला ओबीसी वर्ग में क्रमश: 65वीं और 108वीं रैंक हासिल की है। ढाणी के सामान्य से काश्तकार परिवार हरिराम मनोहरी देवी सैनी की ये दोनों होनहार बेटियां 2008 में कक्षा 12 कला वर्ग की बोर्ड मैरिट में भी स्थान पा चुकी है।

योग्यता सूची में अनिशा को सातवां तो अंजलि को 15वां स्थान मिला। शहर की जीएसएस गर्ल्स पीजी कॉलेज में अर्थशास्त्र की व्याख्याता अनिशा औरअंजलि सैनी नेट की प्रवेश परीक्षा भी प्रथम प्रयास में ही पास कर चुकी है। दोनों की रूचि भी करीब करीब एक जैसी है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता बैंककर्मी भाई रमेश शिक्षिका बडी बहन कविता एवं अन्य निकट रिश्तेदारों के प्रोत्साहन और मार्गदशन को दिया है। माली सैनी संदेश परिवार सभी को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है।

## सेठ भीकमदास परिहार शिक्षा सेवा सदन ट्रस्ट

# वार्षिक सम्मलेन तथा भवन लोकार्पण स्मारिका विमोचन के साथ सम्पन्न

4 दिसम्बर 2015 जोधपुर। शिक्षा सेवा सदन के संस्थापाक स्व. सेठ भीकमदास परिहार के जन्म दिवस 4 दिसम्बर को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक सम्मेलन के रूप में मनाया गया। इस वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष श्री जगदीश सिंह परिहार ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजेन्द्र सोलंकी (पूर्व अध्यक्ष-जो.वि.प्रा.) ने समारोह की शोभा बढ़ायी। विशिष्ठ अतिथि के रूप में श्री राजेन्द्र गहलोत (पूर्व मंत्री), डॉ. ओमकुमारी गहलोत (पूर्व महापौर), श्री मोतीलाल सांखला (राष्ट्रीय अध्यक्ष-फुले जागृति संस्थान), श्री श्यामसिंह टाक (पूर्व सदस्य-राज. लोक सेवा आयोग), श्री सत्यदेव टाक (पूर्व न्यायाधीश), के अलावा ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य कार्यकर्ता, भामाशाह, जनप्रतिनिधि तथा छात्रावास के पूर्व तथा वर्तमान विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थिति रहे।

इस अवसर पर शिक्षा सेवा सदन परिसर में प्रात: 11 बजे के शुभ मुहूर्त में 'यज्ञ' सम्पन्न किया गया। ट्रस्ट के पदाधिकारी/ सदस्यों/ कार्यकर्ताओं, परिहार परिवार के सदस्यों ने 'पावन यज्ञ' में आहुर्तियाँ देने का लाभ प्राप्त किया लगभग 11.20 बजे मुख्य अतिथि ने अपने कर कमलों से ट्रस्अ के पदाधिकारियों, परिहार परिवार के सदस्यों तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ छात्रावास परिसर में नवनिर्मित तृतीय खण्ड (तृतीय ब्लॉक) का लोकार्पण किया। लोकर्पण के ठीक पश्चात, ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री जगदीशसिंह परिहार ने अपने स्वागत भाषण में सभी आगंतुक अतिथियों का हार्दिक स्वगात किया। आपने ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों, भामाशाहों,

दानदाताओं तथा आजीवन सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। जिनके सहयोग से छात्रावास भवन में उत्तारोत्तर वृद्धि हो रही है। आपने आशा व्यक्ति की समाज का सहयोग इसी प्रकार मिलता रहा तो छात्रावास समाज की भावी आवश्यकता की पूर्ति करने में सक्षम हो सकेगा। ट्रस्ट के सचिव श्री हजारीसिंह टाक ने संक्षेप में छात्रावास का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए यहां की गतिविधियाँ, सुविधाओं, उपलब्धियोंअ तथा आवश्यकताओं के बारे में बताया। अगले वक्ता के रूप में मुख्यअतिथि श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि 45 वर्षो पूर्व स्व. सेठ श्री भीकमदास परिहार ने छात्रावास रूपी जो पौधारोपण किया आज व विशाल वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है अब पूरे माली समाज को इस पनपाना है, विकसित करना है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. ओमकुमारी गहलोत (पूर्व महापौर) ने भी छात्रावास स्थापना और संचालन में पूरे परिहार परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका की सरहना की तथा शिक्षा क्रांति में महत्वपूर्ण सिद्ध किया। प्रभावी वक्ता तथा विशिष्ठ अतिथि श्री मोतीलाल सांखला ने अपने सम्बोधन में कहा कि फालना छात्रावास के पश्चात जोधपुर का यह छात्रावास सबसे पुराना है। शिक्षा के प्रचार-प्रसार में दोनों छात्रावासों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। यहां रहकर पढ़े हुए सैकड़ों विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम गर्व से ऊँचा किया है। सम्बोधन की इस प्रक्रिया के पश्चात छात्रावास की 45 वर्षीय ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित स्मारिका 'सृजन 2015' का विमोचन किया गया। श्री किशनलाल सांखला तथा प्रेमचंद सांखला द्वारा सम्पादित इस स्मारिका में श्री विनोद परिहार, श्री दिव्येश परिहार तथा श्री रमेश गहलोत ने सह-सम्पादक की भूमिका निभायी। श्रेष्ठ सम्पादन के लिए दोनों सम्पादकों (श्री किशनलाल सांखला व प्रेमचंद सांखला) को भी सम्मानित किया गया। मंच पर विराजमान सभी दानदाताओं/ भामाशाहों तथा जनप्रतिनिधियों का भी माल्यार्पण, श्रीफल देकर तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के पश्चात सभी सम्मानियों ने प्रीतिभोज का आनन्द लेकर एक दूसरे से विदा ली।

**जोधपुर से किशनलाल सांखला (से. नि. प्रधानाचार्य)**

## स्मारिका 'सृजन 215' का विमोचन

# श्रेष्ठ सम्पादन के लिए सांखला बंधु सम्मानित

4 दिसम्बर 2015, जोधपुर। सेठ श्री भीकमदास परिहार शिक्षा सेवा सदन की स्थापना को 45 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में छात्रावास का वार्षिक उत्सव यहां भाटी चौराहा स्थित छात्रावास परिसर में मनाया गया। इस वार्षिक उत्सव में छात्रावास भवन के तृतीय खण्ड (नवनिर्मित) के लोकार्पण के साथ प्रकाशित स्मारिक 'सृजन 2015' का विमोचन भी किया गया। इस स्मारिका का सम्पादन सांखला बन्धुओं ने किया। श्रेष्ठ सम्पादन कार्य के लिए श्री प्रेमचंद सांखला तथा श्री किशनलाल सांखला को सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री जगदीशसिंह परिहार, मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र सोलंकी तथा विशिष्टतम अतिथि श्री राजेन्द्र गहलोत (पूर्व मंत्री) ने सांखला बंधुओं को माल्यार्पण, श्रीफल प्रदानकर तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सहह सम्पादक के रूप में श्री विनोद परिहार, श्री दिव्येश परिहार तथा श्री रमेश गहलोत (छात्रावास अधीक्षक) की भूमिका की भी भरपूर सराहना की गयी।

स्मारिका में छात्रावास के 45 वर्षीय सफर की 'झलक' स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है। संस्थापक स्व. सेठ श्री भीकमदास परिहार की जीवनी तथा छात्रावास स्थापना में आपकी भूमिका, परिहार परिवार के अन्य सदस्यों तथ स्व. श्री राधाकृष्ण परिहार, स्व. श्री बस्तीराम परिहार, स्व. श्री घनश्यामदास परिहार, श्री विजेन्द्रसिंह परिहार, ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष श्री जगदीशसंह परिहार, सफल उद्यमी व युवा समाजसेवी श्री सुनिल परिहार का सम्पूर्ण जीवन परिचय तथा छात्रावास संचालन में इन सबने उल्लेखनीय सहयोग, ट्रस्ट के सभी संस्थापक सदस्यों का परिचय (सचित्र), ट्रस्ट की वर्तमान कार्यकारिणी (पदाधिकारी व सदस्यगण), ट्रस्ट के आजीवन सदस्य व साधारण सदस्यों की सूची, छात्रावास भवन के निर्माण के सहयोगी भामाशाहों का जीवन परिचय व सहयोग, परिवार वंश वृक्षावली आदि स्मारिका के प्रमुख वर्ण्य विषय है इसके अलावा छात्रावास के भूतपूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थियों के उपयोगी लेख भी प्रकाशित किये गये। चूंकि माली समाज मुख्य रूप से कृशि व्यवसाय से जुड़ा हुआ है अत: कृषि एवं उद्यमिता सम्बन्धी लेखों को भी प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। आवश्यकता व रिक्त स्थान की उपलब्धता के अनुसार आदर्श व जीवनोपयोगी उद्दरणों को भी प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। आवश्यकता व रिक्त स्थान की उपलब्धता के अनुसार आदर्श व जीवनोपयोगरी उद्दरणों को भी उद्धृत किया गया है साथ ही संस्था की स्थापना 1970 से लेकर आज तक के महत्वपूर्ण आयोजनों/ कार्यक्रमों/ समारोहों का मनोरम चित्रांकन स्मारिका का प्रमुख आकर्षण है।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी तथा ट्रस्ट वर्तमान अध्यक्ष श्री जगदीशसिंह परिहार के विभिन्न विषयों (यथा राजनीति, शिक्ष्पाा, सामाजिक संगठन व एकता, कर्मचारी संगठनों की भूमिका, युवा शक्ति) में सम्बन्धित आदर्श विचारों को भी प्रकाशित किया गया हैं जिन्हें श्री जगदीशसिंह परिहार ने स्वयं अपनी लेखनी डायरी में अपने दीर्धकालीन जीवन के अनुभवों के आधार पर लिखा। ये विचार वर्तमान तथा भावी पीढित्री के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं, सच्चे पथ प्रदर्शक है। स्मारिका में समाज की प्रमुख परिसम्पतियों को भी दर्शाया गया है। जो माली समाज की प्रमुख धरोहर है व रहेगी जिन पर समाज गर्व कर सकता है। छात्रावास के उन सभी पूर्व विद्यार्थियों का परिचय भी (सचित्र) प्रकाशित किया गया है जो सम्पादक को यथा समय प्राप्त हुआ। वैविध्यपूर्ण विषयों के समावेश तथा छात्रावास की रचनात्मक गतिविधियों को उल्लेख होने के कारण स्मारिका का शीर्षक 'सृजन 2015' रखा गया है जो सर्वथा सार्थक एवं औचित्यपूर्ण है।

सम्पादकीय लेख में सम्पादक ने ट्रस्ट के अध्यक्ष व वयोवृद्ध समाजसेवी श्री जगदीशसिंह परिहर के शुभाशीर्वाद श्री सुनिल परिहार व श्री प्रेमचन्द सांखला की सद् प्रेरणा तथा युवा समाजसेवी व कार्यकर्ता सर्व श्री विनोद परिहार, दिव्येश परिहार व रमेश परिहार के सहयोग लिए भी हार्दिक आभार व्यक्तकिया है। जिनके कारण स्मारिका 'सृजन 2015 का सफल व शानदार प्रकाशन संभव हुआ।

## कम्बल बांट कर दी सर्दी से राहत

सिरोही। माली समाज वेलफेयर सोसायटी सिरोही के तत्वावधान में होटल बाबारामदेव ग्रुप के संचालक रघुनाथ माली की ओर से गरीब व असहाय लोगों को मुख्यालय से करीबन 10 किमी दूर स्थित वेराविलपुर गॉव के लोगों को मामाजी मन्दिर परिसर में 100 कम्बल वितरण किये गये। कम्बल पा कर गरीब व असहाय लोगों में खुशी का माहौल था। इस अवसर पर रघुनाथ पी. माली ने बताया कि वेलफेयर सोसायटी का उद्देश्य नर सेवा नारायण सेवा हैं। वर्तमान समय में मौसम में भारी परिवर्तन हुआ हैं जिससे ठण्ड का प्रकोप सब जगह दिखाई दे रहा हैं, ऐसी कडाके की ठण्ड में गरीब-असहाय लोग ठण्डी से मृत्यु को प्राप्त हो रहे ऐसी स्थिति में ठण्ड से निजात दिलाने हेतु कम्बल वितरण कर एक सेवा का परिचय देना जरूरी है। साथ ही उपस्थित लोगों को सोसायटी के द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यो की जानकारी दी।

नगर परिषद् सभापति ताराराम माली ने इस सराहनीय कार्य के लिये रघुनाथ माली व उपस्थित सोसायटी के सदस्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसा सेवा कर परिचय देने हेतु निवेदन किया।

इस अवसर पर सिरोही नगर परिषद् के सभापति ताराराम माली, माली समाज वेलफेयर सोसायटी के सचिव भंवरलाल माली, संरक्षक कान्तिलाल माली, सहसचिव प्रकाश बी. माली, सहकोषाध्यक्ष दलाराम माली, उपाध्यक्ष शंकरलाल माली, धनश्यामलाल माली एवं गॉव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# अभिवन प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान पीपाड़ शहर का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

पीपाड शहर। 25 दिसम्बर को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्था का वार्षिक उत्सव मनाया गया। वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि राजेन्द्र गहलोत अध्यक्ष लिखमीदास मन्दिर ट्रस्ट, विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्रीमान सुभाष सैनी राष्ट्रीय संयोजक सैनी वर्ल्ड इकोनोमिक, विशिष्ट अतिथि श्री महेन्द्र सिंह कच्छवाह (नगर पालिका अध्यक्ष पीपाड शहर), श्री कृपाराम सोलंकी (सभापति नागौर) श्रीमती मंजु भाटी जैतारण (नगरपालिका अध्यक्ष), श्री उंकारराम कच्छावाह (अध्यक्ष, पुष्कर माली धर्मशाला) श्री बुद्धाराम टाक (अध्यक्ष सब्जी मण्डी पीपाड शहर), श्री बाबुलाल सांखला (अध्यक्ष माली छात्रावास पीपाड शहर) श्री प्रेमचन्द सांखला (एडीओ सर्वशिक्षा अभियान जोधपुर संभाग), इनके अलावा अन्य विशिष्ट अतिथियों में सर्वश्री पारसराम टाक (आरएएस), अमृतलाल सांखला (आरएएस), दीपक सांखला (आरएएस), ताराचन्द भाटी (आरएएस), बाबुलाल टाक (पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष), धनराज सोलंकी (मण्डल अध्यक्ष) समस्त मण्डल कार्यकारिणी एवं पंचगण वह संस्था के कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

संस्था के उपाध्यक्ष रामनिवास कच्छवाह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसमें बताया कि संस्थान ने एक वर्ष में कुल 131 समाज बंधुओं ने सरकारी सेवाओं में चयनित होकर माली समाज का नाम रोशन किया। सभी चयनित अभ्यर्थियों को इस अवसर पर पारितोषिक देकर सम्मान किया गया व बताया गया कि संस्थान ने वर्तमान के अन्दर 650 प्रतियोगी विभिन्न परिक्षाओं की तैयारी कर रहे है। मुख्यमंत्री अतिथि महोदय ने संस्था की कार्यशैली व मेहनत कर रहे सभी प्रतिभावान छात्र छात्राओं की प्रशंसा अग्रणी कार्य करे। संस्था समाज सेवा व शिक्षा केक्षेत्र में अग्रणी कार्य करेगी। संस्था समाज के बेरोजगार युवाओं के लिए नौकरी की खान है। श्री सुभाष सैनी ने पीपाड वासियों के इन प्रयासों की बहुत सराहना करते हुए युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया साथ ही समाज में युवाओं के योगदान के बारे में बताते हुए कहा कि जब युवा पढ़ लिख कर प्रमुख पदों पर पहुंच समाज के पिछड़े वर्गो की सेवा कर कार्य करें।

पूर्व मंत्री श्री गहलोत ने कहा कि पीपाड माली समाज अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सबसे पहले जागा है और वक्ता के रूप में पालिका अध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंह कच्छवाहा ने बाहर से पधारे सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया और कहा कि एपीपीएस अपने आप में माली समाज के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षा के मंच के रूप में उभरी है। वार्षिक उत्सव में लगभग 3000 स्वजातिय बंधु व समाज सेवी व जन प्रतिनिधि मौजूद रहे। वार्षिक उत्सव के अंत में संस्थान के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह कच्छवाह ने सभी मेहमानों व कार्यक्रम में पधारे सभी स्वजातिय बंधुओं एवं कार्यकर्ताओं व चयनित अभ्यर्थियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम समाजसेवी मेहराम गहलोत, माली सैनी संदेश संपादक मनीष गहलोत, छात्र संघ उपाध्यक्ष पूजा टाक, सम्पतराज सैनी, कठया कांति जिला संयोजक सुमित्रा गहलोत, पुखराज देवडा, सेठाराम टाक सोलंकी, पारसराम परिहार, प्रधानाध्यापक बंशीलाल ने किया।

# माली समाज की 700 प्रतिभाएं हुई सम्मानित

**समाज के प्रतिभा समारोह में उमड़ी प्रतिभाएं, कृषि मंत्री सहित समाज के कई नेताओं ने प्रतिभाओं को किया सम्मानित**

टोंक। महादेववाली क्षेत्र में स्थित समाज की धर्मशाला में रविवार को ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज टोंक की ओर से माली समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें समाज की करीब 700 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जहां समाज की एकजुटता पर जोर दिया। वही समाज की राजनीतिक हैसियत पर रोशनी डालने के साथ ही महात्मा ज्योतिबा फुले सावित्री बाई फुले सहित कई अन्य समाज की हस्तियों को याद किया गया। समारोह में चंदगुप्त मौर्य, सम्राट अशोक एवं उधमसिंह को समाज का बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि राज्य के कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने शायराना अदांज में कहा कि जिसकों समुंद्र से उलझने की आदत हो, ऐसी कश्ती को समंद्र भी दुआ देता है। उन्होंने असफलता ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने समाज को सुधारने की नहीं स्वयं सुधरने की जरूरत है। लगन एवं मेहनत के साथ लक्ष्य निधीरत करके जो आगे बढ़ता है उसे कामकाज होने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने समाज की प्रतिभाओं का सम्मान एवं भाव बढ़ाते हुए समाज के महत्त्व पर भी रोशनी डाली। उन्होंने प्रतिभाएं अपना रास्ता स्वयं तय कर लेती है। इस प्रकार के समारोह उनको हौसला देते है। साथ ही राज्य सरकार नहीं कल्याणकारी योजना पर जोर दिया।टोंक में उनके द्वारा कराए जा रहे कार्यो एवं योजनाओं की जानकारी के साथ ही सकारात्मक सोचने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गहलोत मजबूत बनों, संगठित हो आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक अजीतसिंह मेहता ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज आगे बढ़ता है तो देश आगे बढ़ता है। समारोह में बाहर से आए समाज के नेता सुमन कुमार सैनी, पिटू सैनी, मोतीलाल बाबा, सैनी सेवा समाज के जिलाध्यक्ष पांचूलाल सैनी आदि ने महिला शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए समाज के आगामी कार्यक्रमों आदि के बारे में भी जानकारी दी। समाज के रमेशचंद सैनी रहमानिदिया ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में 700 से अधिक

प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया है। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं 220, 12वीं में उत्कृष्ट अंक लाने वाले कला विषय के 190, विज्ञान के 48 व वाणिजय के 22, स्नातक के 30, स्नातकोत्तर के 45, विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता के बाद कर्मचारी भर्तियों में सफल हुए करीब 60 प्रतिभाओं सहित समाज के 26 खिलाड़ियों, बीएड में 70 एवं तकनीकी शिक्षा के 65 प्रतिभाओं सहित कई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक जिलों एवं गावों से सैकड़ों की संख्या में समाजबंधु उपस्थित हुए ।

# आलोचक नहीं प्रशंसक बने –श्री प्रभुलाल सैनी

जयपुर। कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने युवाओं का आव्हान किया कि जीवन में वो शिखर पुरूष बनना चाहते है तो आलोचक नहीं प्रशंसक बने। सैनी रविवार को दीप स्मृति ऑडिटोरियम में आयोजित माली (सैनी) युवा महाधिवेशन में प्रदेश भर से आए सैनी समाज के युवाओं को संबोधित कर रहे थे। खचाखच भरे ऑडिटोरियम में भारत माता की जय के साथ शायराना अंदाज में अपने ओजस्वी भाषण में सैनी ने कहा कि जिन्दगी के खूबसूरत लम्हों में से कुछ क्षण ऐसे होते है जो यादगार बन कर रह जाते है। वो क्षण आज है। इस मंच ने राजनीतिक दलों की दूरियों को मिटाया है। जिससे यह मंच सच में माली समाज का हो गया है युवाओं के जोश को देखते हुए सैनी ने कहा – जिसमें तूफां से उलझने की ताकत होती है, उसे समन्दर भी दुआ दिया करते है

**सामान्य नहीं सैनी समाज :** कृषि मंत्री ने कहा कि हम सभी भाग्यशाली है हमारे सेनी समाज ने देश में चार महात्मा हुए है उसमें से दो महात्मा ज्योतिराव फूले और महात्मा बुद्ध हमारे समाज से थे। इसके साथ ही अशोक महान महाराज सूर सेन सभी सैनी समाज से थे। देश में समतामूलक समाज की स्थापना का काम महात्म ज्योतिराव फूले ने किया। हमें भी इस परम्परा को आगे बढाना है और समाज में सभी को समाहित करके बसना है।

**चाणक्य की याद :** कृषि मंत्री समाज के युवाओं के वैश्वीकरण चुनौतियों के लिए तैयार रहने के साथ साथ ही चाणक्य का संसकृत में श्लोक समझाते हुए कहा कि दुष्ट और सज्जन में एक ही अन्तर है। दुष्ट के पास विद्या से विवाद पैदा करेगा धन होने पर घमण्ड करेगा और शक्ति होने पर हानि पहुंचायेगा इसके विपरित सज्जन विद्या से ज्ञान का प्रसारण करेगा, धन से दान करेगा और शक्ति होने पर समाज की रक्षा करेगा। दार्शनिक श्रीकृष्ण ने गीता में कहा कि गरीबों की सेवा मसे बडा दूसरा काम नहीं है।

**निर्मल पंवार से ले प्रेरणा :** कृषि मंत्री ने युवाओं से कहा कि हमारे समाज में निर्मल पंवार जैसे पुरषार्थी लोग है, जिन्होंने गांव से आकर इस शहर में साइकिल से प्राइवेट स्कूल में पढाने से अपने करिअर की शुरूआत की और समर्पण जज्जबा व दृढ इच्छा शक्ति से आज देश की पहली महात्मा ज्योतिराव फूले विश्वविद्यालय बना दी है।

महात्मा ज्योतिराव फूले के जीवन दर्शन को महान बताते हुए कहा कि मैं जब वर्ष 2003 में पहली बार मंत्री बना तो मैने 1857 से 1948 तक महात्मा ज्योतिराव के जीवन को पढा तो पता चला करे वो समता मूलक समाज के प्रबल पक्षधर थे। अपने भाषण में सुहाना मण्डी नेमहात्मा ज्योतिराव फूले की आदमकद प्रतिमा लगाने के साथ ही उनकी जयंति पर कृषि उपज मण्डी श्रमिकों के लिए शुरू की गई योजना की भी जानकारी दी।

**युवाओं ने बदला है समाज :** सैनी ने कहा कि युवाओं की आंखों में सपने मन में तूफान की गति और अदम्य साहस के धनी युवा हो समाज को बदल सकते है। उन्होंने कहा कि स्वाभिमानीख संस्कारवान युवा देश को नई दिशा दे सकते है। अंग्रेजी में युवाओं से कहा कि लाइफ डू नॉट गिव चांस, नो रिहर्सल, नो टेक और नो रिवाइस लाइफ इस लाइव। आखिरी में मंत्री ने अन्य समाजों से मिलाकर चलने की सलाह देते हुए कहा कि आसमां पे मत उड़ उंचा है वहां सीढ़िया नहीं होती, मौत के सौदे में कोई छुट्टिया नहीं होती।

## भाजपा राष्ट्रीय परिषद में सदस्य बने

# राजेन्द्र गहलोत एवं बनवारीलाल सैनी

जोधपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद सदस्य बनने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री राजेन्द्र गहलोत का जुगल पंवार की अगुवाई में भावभीना स्वागत किया गया। महामंदिर मण्डल अध्यक्ष श्री जयंत सांखला ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने गहलोत का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

इस अवसर पर गहलोत ने सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने तथा प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप समाज सेवा के कार्य में सभी को शामिल रहने का आव्हान किया।

समाज के कई भाजपा नेताओं एवं समाज बंधुओं ने श्री राजेन्द्र गहलोत को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य बनने पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनको शुभकामनाऐं प्रेषित की। श्री राजेन्द्र गहलोत ने सभी आंगतुकों का हार्दिक आभार प्रकट करते हुए कहा कि आपके लिए में किसी भी कार्य के लिए हर समय तैयार रहुंगा। इस अवसर पर भाजपा के सैकड़ों कार्यकताओं ने श्री राजेन्द्र गहलोत का बहुमान किया।

नवलगढ। भाजपा कार्यकर्ताओं की बात अब हाईकमान तक पहुंचेगी। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय परिषद के नवनिर्वाचित सदस्य बनवारीलाल सैनी ने मंगलवार शाम अनिकेत भवन में हुए अभिनन्दन समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि यह उनका निर्वाचन नहीं बल्कि पार्टी के कार्यकर्ताओं की भावनाओं का चयन है। उन्होनें कहा कि सब कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पार्टी को मजबूत किया जायेगा। वे पार्टी व कार्यकर्ताओं के बीच सेतु का कार्य करेंगे। एडवोकेट ओमप्रकाश मिंतर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

नगर मण्डल अध्यक्ष योगेन्द्र मिश्रा, जिला प्रतिनिधि सीताराम बिरोलिया, महेश जीनगर विशिष्ट अतिथि थे। मोहनलाल चूडीवाल ने स्वागत भाषण किया। कार्यकर्ताओं ने सैनी का माला पहनाकर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर दीपचंद पंवार, कृष्णगोपाल जोशी, फूलचन्द सैनी, ओमप्रकाश सैनी, श्याम सुन्दर सैनी, भानुप्रकाश छापोला, बाबूलाल सेनी, पार्ष्नद संजीव कुमार, अरविन्द शर्मा, अनिल जाखड आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

# शक्तिपीठ माँ भुवनेश्वरी मन्दिर में प्रवासी भारतीय ने की पूजा अर्चना

नागौरी बेरा स्थित शक्तिपीठ माँ भुवनेश्वरी मन्दिर पर कैनिया से पधारें एवीन पैलसे निवासी मोहनसिंहजी गहलोत ने अपने परिवार के साथ माँ भुवनेश्वरी कि पूजा व आरती करके मन्दिर में प्रसादी गृहण की इस कार्यक्रम में राजेन्द्रजी सोलंकी (पूर्व अध्यक्ष जे.डी.ए., जोधपुर), नरेन्द्रजी कच्छवाहा (पूर्व जिलाध्यक्ष बी.जे.पी.), श्यामादेवी गहलोत (पार्षद वार्ड संख्या 64), मयंक देवड़ा (पूर्व पार्षद वार्ड संख्या 64), देवीलालजी टाक (जोधपुर हिन्दु सेवा दल के अध्यक्ष), प्रदीपजी कच्छवाहा (पूर्व अध्यक्ष, जोधपुर फोटोग्राफी एसोसियसन), इनके साथ रणवीरसिंह कच्छवाहा, संतोकसिंह चौहान, रूपसिंह गहलोत, आंनदसिंह, अनिलकुमार कच्छवाहा, दिलीप परिहार, मनवन्तस्वरूप गहलोत वहां पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम सुन्दरकारण्ड की पूर्ण आरती के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम में आए सभी अतिथिगण को भक्त गौतम कच्छवाहा ने स्वागत किया।

### माली सैनी युवा जागृति मंच की और से दशहरा मैदान में हुआ समाज का राष्ट्रीय युवा अधिवेशन

# 775 प्रतिभाओं को फुले अवार्ड वेबसाइट का लोकार्पण

कोटा। माली सैनी जागृति मंच की ओर से रविवार को दशहरा मैदान श्रीराम रंगमंच पर समाज का राष्ट्रीय युवा अधिवेशन हुआ। समाज की विभिन्न समस्याओं से लेकर मंथन हुआ। समाज की प्रतिभा, भामाशाह, समाजसेवी, जनप्रतिनिधियों का अधिवेशन में सम्मान किया गया। पिछले दो वर्षों में अकादमिक परीक्षाओं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक लोने वाले तथा विभिन्न कोर्स और अन्य क्षेत्रों में चयनित 775 प्रतिभाओं, भामाशाहों को फुले अवार्ड दिया गया। समाज की वेबसाइट का भी अधिवेशन में विमोचन किया गया। महात्मा फुले राष्ट्रीय जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोती बाबा सांखला ने कहा कि समाज के लोगों को महात्मा फुले के आदर्शों पर चलते हुए पिछडो को आगे लाना चाहिए।

ऑल इण्डिया माली सैनी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीपाल सैनी ने कहा कि युवाओं को समाज को बदलने का जुनून होना चाहिए। समाज का उच्च वर्ग कमजोर तबके को उपर उठाने के लिए भी काम करें। अधिवेशन में युपी माली समाज अध्यक्ष वीरेन्द्र सैनी, समाजसेवी ललिता महरवाला, राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी, इन्द्रराज सैनी, नाथूलाल, नंदलाल सुमन, गुडडु सैनी ने सम्बोधित किय। संयोजक भवानीशंकर धरती पकड, पार्षद राकेश सुमन पुटरा, प्रकाश सैनी देवली सरपंच रामेश्वर सुमन देवली सरपंच रामेश्वर सुमन, धन्नालाल सुमन, मंच महामंत्री नंदकिशोर सुमन, चन्द्रशेखर सुनील गहलोत ने भी सम्बोधित किया।

**इन मुददों पर हुई चर्चा :** मुकेश बघेल ने बताया कि अधिवेशन में समाज को संख्या के आधार पर भूमि आवंटित कराने, जरूरतमंद स्टूडेंट्स को कोचिंग सुविधा दिलाने छात्रावास निर्माण सहित अन्य मामलों पर चर्चा की गई। साथ ही विधवा बीपीएल मेधावी छात्र छात्राओं को आर्थिक और सामाजिक सहायता उपलब्ध करवाने और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रस्ताव रखा गया। इस अवसर पर समाज कोटा ही नहीं वरन् आसपास के अनेकों गांवों से समाज के सैकड़ों लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया ।

# गरीब व जरुरतंद छात्राओं को नि:शुल्क स्वेटर वितरित

जगदीश देवड़ा

23 दिसम्बर 2015 को स्थानीय विद्यालय राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय पूंजला, जोधपुर में स्थानीय भामाशाह श्रीमती एवं श्रीमान् हरीसिंह जी व उनके परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा पार्षद श्री किशोरसिंह जी टाक व विकास समिति के सदस्यों की उपस्थिति में विद्यालय की गरीब व जरूरतमंद छात्राओं को विद्यालय गणवेश के नि:शुल्क स्वेटर वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व भूतपूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमान् नरेन्द्र कच्छावाहा थे। विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमति मधु द्वारा सभी गणमान्यों व्यक्तियों का सामाजिक सेवा के कार्य करने हेतु आभार व्यक्त किया गया। जगदीश देवड़ा, किशन जी, तिलोक जी, ओपी भाटी, हनुमानसिंह गहलोत गणमान्य लोग मौजूद थे।

**माली सैनी संदेश के वर्ष 2016 के कलैंडर आप हमारे कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त कर सकते हैं।**

# नेत्रहीन जोड़े के जीवन में आई बहार

आर्य समाज मन्दिर महर्षि पाणिनि नगर, जोधपुर राज. के तत्वधान में नेत्रहीन संगीत अध्यापक पांचाराम के जीवन के सफर में साथी की तलाश पूरी हुई और नेत्रहीन दीपमाला के साथ सात फेरों के बंधन में बंध गये। प्रधान श्री गजेन्द्र सांखला के घर पर दुल्हा-दुल्हल को श्रृंगार व मेहंदी लगाकर शादी की रश्में पूरी कर नेत्रहीन सेवा संस्थान से आये नेत्रहीन बारातियों एवं अतिथियों को तिलक कर साफा पहनाकर दूध फिणी का नाश्ता कराके दोनों वर-वधू को बंग्गी में साथ बैठाकर ढोल व डी.जे. के साथ नाचतें हुऐ बारात रवाना हुई नगर वासियों के लिए एक आश्चर्य की बात थी नेत्रहीन दुल्हा व दुल्हन के साथ 80 बाराती भी ेत्रहीन थे। बारात का जगह-जगह पर नगरवासियों द्वारा स्वागत

किया गया। आर्य समाज मन्दि में आर्य सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया एवं विवाह मण्डप में उपस्थिति भारी संख्या में महिलाओं द्वारा मंगल गीतों से वातावरण भावपूर्ण एवं आकर्षक बन गया। पण्डित शिवराम आर्य के पौरोहित्स में तथा महेश परिहार, उप प्रधान संतोष परिहार एवं श्रीमती प्रमिला-गजेन्द्र सांखला के सहारे से दुल्हा-दुल्हन का प्राणिग्रहण संस्कार सम्पन्न करवाया गया।

तत्पश्चात दुल्हा-दुल्हन इतने प्रफुल्लित हुऐ कि कैलाश चन्द्र आर्य द्वारा जब इनको संगीत के लिए हारमोनियम दिया तो दुल्हे ने गीत की प्रस्तुति दी। आये हो मेरी जिंदगी में तुम बहार बनके... दुल्हन ने भी सुर में सुर मिलाकर सभी को मोहित कर दिया। भामाशाहों द्वारा साड़िया, घरेलू बर्तन, बिस्तर एवं उपहार के साथ ही बग्गी, डी.जे., कन्दोई, श्रृंगार समान एवं आर्थिक सहयोग प्रदान किया। नव-दम्पतियों को आशीर्वाद देकर सभी को प्रीतिभोज कराके वर-वधु को विदा किया। विवाह समारोह में सवाईसिंह जी, मदन जी तंवर दाऊलालजी, ब्रह्मसिंह, महेन्द्रजी सांखला, सम्पत भाटी, करणसिंह, धीरेन्द्र भाटी, नरेन्द्र आर्य, राजेश भाटी, चेतन प्रकाशजी, कैलाश चन्द्र आर्य, महेश परिहार, जवरीलाल, सिद्वार्थ, विनित सांखला, वीरसिंह, नारायण, रविश, वेदान्शु, पंकज सोहनजी, अशोक, संतोषसिंह जी, नरपतजी, अरविन्द, अरूण, हरिसिंहजी, रामचन्द्रजी, रामूराम चौधरी एवं महिलाओं में संतोश आर्या, मनीषा भाटी, सरोज भाटी, ललिता सांखला, प्रमिला सांखला, चेतना सांखला, अदिति आर्या, रेणुका भाटी, विनू इत्यादि ने बढ़-चढ़कर सहयोग प्रदान किया गया। प्रधान गजेन्द्रसिंह सांखला के अनुसार आर्य समाज परोपकार एवं समाज सुधार कार्यो के लिए सदैव तत्पर है, हमें अवसर प्रदान करते रहें।

## कविता सैनी बनी सांख्यिकी अधिकारी

झुंझुनूं। मोती सिंह की ढ़ाणी निवासी श्री धन्नालाल सैनी की होनहार बेटी कविता सैनी का सांख्यकि अधिकारी पद पर हुया चयन। सुश्री कविता सैनी ने आरपीएससी सांख्यिकी अधिकारी भर्ती परीक्षा में राज्य में 11वां स्थान प्राप्त कर समाज को किया गौरवान्वित। कविता के चयन पर ढ़ाणी के महिलाओं एवं पुरूषों ने मंगल गीत के साथ डीजे पर डांस करते हुए आतिशबाजी व मिठाईयां बांटकर खुशियां मनाई। समाज की अनेकों संस्थाओं एवं पदाधिकारियों ने सुश्री कविता सैनी को हार्दिक बधाई करते हुए समाज में बेटियों की शिक्षा में आ रही जागृति के लिए अभिभावकों को इसके लिए सम्मानित करने की मांग की। माली सैनी संदेश पत्रिका सुश्री कविता सैनी को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं करता है तथा समाज की सभी बेटियों को शिक्षा में अच्छे अवसर मिले इसके लिए समाज के सभी अभिभावकों का आव्हान् करता है।

# माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा, जोधपुर

# माली सैनी सन्देश

## घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

### सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 8 वषो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जार रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है। हमारी वेब साईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है। एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई- पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के सभी अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है।

**डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।**

### सदस्यता राशि

| दो वर्ष रु. 300/- | पांच वर्ष रु. 700/- | आजीवन रु. 3100/- |
|---|---|---|

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन./मोबाईल _____ ई-मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि ( रूपये ) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ ( डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें )

अत: मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

**माली सैनी संदेश पोस्ट बॉक्स नं. 9, जोधपुर**

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर ( राज. )

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org E-mail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

## ही क्यों ?

**क्योंकि**

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

**क्योंकि**

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

## हमें विज्ञापन दीजिये

**क्योंकि**

हमारी क्रियेटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे देश ही नहीं विदेश में भी।

### RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

| | |
|---|---|
| Back Cover | 6,000/- |
| Inside Cover | 4,000/- |
| Color Page | 2,500/- |

BLACK

| | |
|---|---|
| Full Page | 2,500/- |
| Half Page | 1,500/- |
| Quarter Page | 1,000/- |

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

## अभिनव संस्था पीपाड़ द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह की झलकियां

## जोधपुर में सैनी वर्ल्ड ईकॉनोमिक फोरम की कार्यकारिणी के गठन की झलकियां

नवनियुक्त पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्य

नवनियुक्त पदाधिकारीगण राष्ट्रीय संयोजक श्री सुभाष सैनी के साथ

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

!! जय ज्योति !!

!! जय क्रान्ति !!

महात्मा जोतीराव फुले

महात्मा गौतम बुद्ध

सावता माली

संत श्री लिखमीदास जी महाराज

शूरसेन सैनी

सम्राट अशोक

सावित्रीबाई फुले

# सैनी वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम

## राष्ट्रीय अधिवेशन

दिनांक 15–16–17 जनवरी 2016

**होटल क्लार्क आमेर, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर**

**Saini Helpline No.: 9314323456**

www.sainiworldeconomic.com

**केन्द्रीय कार्यालय :**

**85, गौत्तम मार्ग, निमार्ण नगर, अजमेर रोड़, जयपुर ( मो. ) 900199525**

e-mail : info@sainiworldeconomic.com

स्वत्वाधिकारी सम्पादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक मनीष गहलोत के लिए
भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस सेक्टर 7,
जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर से प्रकाशित।
फोन : 9414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR